नवभारत
भोपाल, रविवार 8 मार्च, 2026

एक नजर में

रंग पंचमी पर निकलेगा 'गैर' का विशाल चल समारोह

गुना। शहर में रंग पंचमी के पावन पर्व को ऐतिहासिक और यादगार बनाने के लिए गैर महोत्सव आयोजन समिति द्वारा एक बार फिर पारंपरिक विशाल चल समारोह का आयोजन किया जा रहा है। आपसी भाईचारे और उल्लास के प्रतीक इस महोत्सव का यह 11वां वर्ष है, जिसे लेकर आयोजन समिति ने तैयारियां पूर्ण कर ली हैं।

समिति के अनुसार, यह विशाल चल समारोह रंग पंचमी के दिन प्रातः 11:00 बजे स्थानीय हनुमान चौराहा से प्रारंभ होगा। यहाँ से नाचते-गाते और रंगों में सराबोर टोली हाट रोड, निचला बाजार, सराफा बाजार, सुगन चौराहा और लक्ष्मीगंज जैसे शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरेगी। इस भव्य यात्रा का समापन शास्त्री पार्क पर होगा, जहाँ सभी सहभागी मिलकर उत्सव की खुशियाँ मनाएंगे। आयोजन समिति ने इस महोत्सव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 'गैर' का अर्थ ही है 'गैरों को रंग लगाना'। इसी पावन भाव के साथ यह चल समारोह निकाला जाता है, जहाँ अपरिचितों को भी अपना बनाकर रंगों के माध्यम से प्रेम और सौहार्द का संदेश दिया जाता है। समिति ने सर्व हिंदू समाज के नागरिकों और युवाओं से अपील की है कि वे इस पारंपरिक आयोजन में बड़ी संख्या में सम्मिलित होकर इसे सफल बनाएं। पिछले एक दशक से भी अधिक समय से निरंतर आयोजित हो रहे इस महोत्सव ने गुना की सांस्कृतिक पहचान में एक विशेष स्थान बना लिया है। आयोजन समिति द्वारा इस वर्ष 11वां स्थापना वर्ष होने के कारण इसे और भी भव्य रूप देने का प्रयास किया जा रहा है। व्यापारियों से भी इस चल समारोह के स्वागत को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है।

होली के तुरंत भाजपा नेताओं ने दिया जनता को झटका

ऊर्जा मंत्री बोले, स्मार्ट मीटर की कीमत तो उपभोक्ता ही चुकाएंगे, विधायक ने दिए महंगाई बढ़ने के संकेत

नवभारत न्यूज

गुना 7 मार्च का। होली के तुरंत बाद सरकार और सत्ता प्रतिनिधित्व करने वाले भाजपा नेताओं ने जनता बड़ा झटका दिया है। शनिवार को गुना दौरे पर आए ऊर्जा मंत्री प्रदुम्न सिंह तोमर ने दो टूक कह दिया है कि स्मार्ट मीटर की कीमत तो आम उपभोक्ता को ही अदा करनी होगी। उन्होंने सरकार का बचाव करते हुए यह अवश्य कहा है कि ऐसा पहले भी हुआ है, इसमें कुछ नया नहीं है।

वहीं अपनी बेबाक बयानों से चर्चित गुना विधायक पन्नालाल शाक्य ने ईरान-इजराइल के दौरान डीजल की किल्लत पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि सबल बनने के लिए कुछ कीमत तो चुकानी ही होगी। उनका इशारा संभवतः पेट्रोलियम पदार्थों की वजह से रोजमर्रा की वस्तुओं के दामों पर पड़ने वाले असर को लेकर था।

तोमर ने किया बिजली कंपनी का बचाव

मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री और जिले के पूर्व प्रभारी मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर शनिवार को गुना प्रवास पर रहे। यहां उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए प्रदेश सरकार के बजट की विशेषताओं को जनता के समक्ष रखा। इस दौरान उन्होंने बिजली दरों में संभावित वृद्धि, स्मार्ट मीटर और बिजली कटौती जैसे महत्वपूर्ण सवालों के बेबाकी से जवाब दिए। आगामी 1 अप्रैल से बिजली की दरों में संभावित बढ़ोतरी के सवाल पर ऊर्जा मंत्री ने विद्युत कंपनी का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि बिजली के दाम खर्चों के आधार पर तय किए जाते हैं और अंतिम निर्णय नियामक आयोग द्वारा लिया जाता है, लेकिन सरकार उपभोक्ताओं के हितों का पूरा ध्यान रख रही है। स्मार्ट मीटर को लेकर उन्होंने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि इसका शुल्क आम उपभोक्ता को ही अपनी जेब से देना होगा। हालांकि, राहत की बात यह है कि बिजली कंपनी ने इस राशि को किश्तों में चुकाने की सुविधा दी है। तोमर ने दावा किया कि जब से मीटर व्यवस्था शुरू हुई है, इसका खर्च हमेशा उपभोक्ता ही उठाता आया है, इसमें कुछ भी नया नहीं है। प्रदेश में अघोषित बिजली कटौती की खबरों को खारिज करते हुए ऊर्जा मंत्री ने कहा कि अब नियमित कटौती का दौर बंद हो चुका है। अगर कहीं बिजली गुल होती है, तो उसके पीछे कोई न कोई ठोस तकनीकी कारण होता है। बजट पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार किसानों और घरेलू उपभोक्ताओं को लगभग 26 हजार करोड़ रुपये की विद्युत सब्सिडी दे रही है।

विशेषकर किसानों को 90 प्रतिशत से ज्यादा सब्सिडी दी जा रही है ताकि उन पर आर्थिक बोझ न पड़े। उन्होंने विश्वास दिलाया कि मध्य प्रदेश को बिजली क्षेत्र में 'सरप्लस' बनाए रखने के लिए सरकार धरातल पर निरंतर कार्य कर रही है।

प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ी है

बजट के अन्य प्रावधानों का जिक्र करते हुए प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि चिकित्सा के क्षेत्र में सरकार विस्तार कर रही है और प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। परिवहन के क्षेत्र में क्रांति लाते हुए इस वर्ष 972 नई इलेक्ट्रिक बसें शुरू की जाएंगी। अधोसंरचना विकास पर जोर देते हुए उन्होंने जानकारी दी कि नगरीय क्षेत्रों में आवास के लिए 2,316 करोड़ और सड़कों की मरम्मत के लिए 349 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान बजट में रखा गया है, जिससे प्रदेश की सूरत पूरी तरह बदल जाएगी।

भारत को सबल बनना है तो सहनी होगी डीजल की कमी : विधायक पन्नालाल शाक्य

पश्चिम एशिया में गहराते युद्ध के संकट और ईरान-इजराइल के बीच बढ़ते तनाव को लेकर गुना विधायक पन्नालाल शाक्य ने बयान दिया है। उन्होंने वैश्विक परिस्थितियों का हवाला देते हुए कहा कि यदि भारत को एक शक्तिशाली और सबल राष्ट्र के रूप में उभरना है, तो देशवासियों को कुछ चुनौतियों और संसाधनों की कमी के लिए तैयार रहना होगा। विधायक शाक्य ने युद्ध के वैश्विक प्रभावों पर चर्चा करते हुए कहा कि ऐसी स्थितियों में भारत को 'युद्ध के पास भी रहना होगा और दूर भी'। उन्होंने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में कूटनीति का बड़ा महत्व है। भारत के रुख को लेकर उन्होंने कहा, जो राष्ट्र हमारा समर्थन कर रहे हैं, हम उनके साथ खड़े हैं, लेकिन जो हमारा समर्थन नहीं कर रहे, हमें उनसे कोई सरोकार नहीं है। युद्ध के कारण ईंधन आपूर्ति पर पड़ने वाले असर का जिक्र करते हुए विधायक ने कहा कि भारत को आत्म-निर्भर और मजबूत बनाने के लिए हमें डीजल जैसी वस्तुओं की कमी को सहन करना पड़ सकता है। उन्होंने कश्मीर के पहलगाम का उदाहरण देते हुए समझाया कि जिस तरह दुर्गम क्षेत्रों में विकास और सुरक्षा के लिए कई तरह के कष्ट उठाने पड़ते हैं, ठीक उसी तरह राष्ट्रहित में जनता को कुछ त्याग करने के लिए मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए। विधायक पन्नालाल शाक्य ने अपने संबोधन में इस बात पर बल दिया कि वैश्विक संघर्षों के बीच भारत की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, हमें अगर दुनिया के सामने सबल बनना है, तो कई कठिन बातें और परिस्थितियां सहन करना पड़ेंगी।

आयुष्मान हेल्थ कार्यक्रम के तहत 400 शिक्षकों दिया प्रशिक्षण

गुना। आयुष्मान भारत स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के अंतर्गत गुना जिले में शिक्षकों के तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का सफल समापन हुआ। यह प्रशिक्षण जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) में कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस सत्र के संपन्न होने के साथ ही गुना जिले ने राज्य शासन द्वारा निर्धारित 400 शिक्षकों के प्रशिक्षण का लक्ष्य भी पूरा कर लिया है।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों में अध्ययनरत किशोर-किशोरियों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाना रहा। इस दौरान शिक्षकों को मानसिक स्वास्थ्य, पोषण, व्यक्तिगत स्वच्छता, जीवन कौशल, लैंगिक संवेदनशीलता और नशा मुक्ति जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों को इस तरह प्रशिक्षित किया गया है कि वे भविष्य में छात्रों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने के साथ-साथ जरूरत पड़ने पर उन्हें किशोर मैत्री स्वास्थ्य क्लीनिक और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने में मदद कर सकें। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने की दिशा में यह प्रशिक्षण एक बड़ी कड़ी माना जा रहा है। अब ये प्रशिक्षित शिक्षक अपने विद्यालयों में स्वास्थ्य दूत के रूप में कार्य करेंगे, जिससे जिले के किशोर-किशोरियों को बेहतर स्वास्थ्य मार्गदर्शन प्राप्त हो सकेगा और उनके समग्र विकास में सहायता मिलेगी।

म्याना में 15 मार्च को सजेगा जन समस्या समाधान शिविर

गुना। लोकसभा क्षेत्र के विकास और जनहित की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए म्याना के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आगामी 15 मार्च को एक विशाल जन समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की उपस्थिति होगी, जो स्वयं एक जनसुनवाई के माध्यम से ग्रामीणों के बीच पहुँचकर उनकी समस्याओं और शिकायतों को सुनेंगे। इस विशाल आयोजन की पूर्व तैयारियों और व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए शनिवार को पूर्व पंचायत मंत्री महेंद्र सिंह सिसौदिया, कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल और एसपी अंकित सोनी ने चिन्हित आयोजन स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया। तैयारियों का जायजा लेने के बाद अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने म्याना में करीब 9 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित 30 बिस्तरों वाले अस्पताल का भी बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने अस्पताल में एम्बुलेंस की कमी, विशेषज्ञ डॉक्टरों की अनुपस्थिति और अन्य बुनियादी सुविधाओं के अभाव की समस्या को पूर्व मंत्री और कलेक्टर के समक्ष पुरजोर तरीके से रखा। ग्रामीणों की मांगों पर संवेदनशीलता दिखाते हुए कलेक्टर और पूर्व मंत्री ने उन्हें जल्द से जल्द इन समस्याओं को दूर करने का ठोस आश्वासन दिया गया। पूर्व पंचायत मंत्री महेंद्र सिंह सिसौदिया ने कहा कि 15 मार्च को होने वाले इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को इस अस्पताल का भ्रमण भी कराया जाएगा। उन्होंने विश्वास दिलाया कि अस्पताल में जो भी तकनीकी कमियां या स्टाफ की कमी है, उसे सिंधिया जी के समक्ष प्रमुखता से रखा जाएगा ताकि क्षेत्र की जनता को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हो सकें।

डीईआईसी केंद्र में विशेष बच्चों के संग खेली गई होली

गुना। जिला चिकित्सालय परिसर स्थित जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र में शनिवार को होली का पर्व बेहद खास अंदाज में मनाया गया। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर के मार्गदर्शन में यहाँ विशेष बच्चों के साथ होली उत्सव का आयोजन किया गया। फूलों और गुलाल के बीच जब इन मासूम बच्चों के चेहरे खिले, तो पूरा केंद्र खुशियों से सराबोर हो गया। इस विशेष आयोजन के दौरान बच्चों को न केवल रंगों के साथ खेलने का अवसर मिला, बल्कि उन्हें होली पर्व के महत्व और इसकी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। बच्चों ने बेहद उत्साह के साथ उत्सव की गतिविधियों में भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विशेष बच्चों के सामाजिक और भावनात्मक विकास को प्रोत्साहित करना था, ताकि वे समाज की मुख्यधारा के साथ जुड़ाव महसूस कर सकें।

भुल्लनपुरा से बीजी रोड तक चला पीला पंजा

गुना। इंडस्ट्रियल एरिया से कुशमौदा मार्ग को जोड़ने वाले मार्ग पर बीते 27 मार्च को हुए दर्दनाक हादसे के बाद जिला प्रशासन अब पूरी तरह अलर्ट मोड पर नजर आ रहा है। भविष्य में ऐसी सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के उद्देश्य से प्रशासन ने शनिवार को अतिक्रमण विरोधी बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई के तहत तहसीलदार गौरीशंकर बैरवा के नेतृत्व में भुल्लनपुरा चौराहे बायपास से लेकर बीजी रोड तक अवैध अतिक्रमणों को साफ किया गया है। करीब 3 घंटे तक चली इस कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में काफी गहमागहमी बनी रही। अतिक्रमण हटाने के दौरान कई दुकानदारों की प्रशासनिक टीम के साथ तीखी बहस भी हुई। इस बीच एक दुकानदार कार्रवाई का कड़ा विरोध करते हुए जेसीबी मशीन के सामने ही लेट गया, जिसे वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने काफी मशक्कत और समझाइश के बाद रास्ते से हटाया। भारी विरोध के बावजूद प्रशासन का 'पीला पंजा' नहीं रुका और सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जों को जमींदोज करते हुए आगे बढ़ता रहा। कार्रवाई के दौरान स्थानीय दुकानदारों ने प्रशासन पर पक्षपात के गंभीर आरोप लगाए। दुकानदारों का कहना था कि प्रशासन केवल छोटे और गरीब दुकानदारों को निशाना बना रहा है, जबकि रसूखदार लोगों द्वारा किए गए अतिक्रमण को छुआ तक नहीं जा रहा है। विरोध कर रहे लोगों के मुताबिक, इस कार्रवाई से उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। वहीं तहसीलदार गौरीशंकर बैरवा ने स्पष्ट किया कि इंडस्ट्रियल एरिया और बायपास क्षेत्र में भारी वाहनों के आवागमन के दौरान जाम और दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है, जिसे देखते हुए यह मुहिम आवश्यक है। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में बजरंगगढ़ बायपास, कैंट और बूढ़े बालाजी क्षेत्र को भी अतिक्रमण मुक्त बनाया जाएगा।

डिवाइर से टकराई कार, होटल संचालक की मौत

गुना। नेशनल हाईवे-46 पर शनिवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। एमपी ढाबा और आरटीओ ऑफिस के समीप एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। इस दुर्घटना में कार सवार 20 वर्षीय युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पाटई निवासी मृतक पुष्कर जैन पुत्र अनिल कुमार गैस की टंकी लेने के लिए जा रहे थे। दोपहर करीब 2 बजे जैसे ही उसकी कार नेशनल हाईवे-46 पर एमपी ढाबा के पास पहुँची, वाहन अनियंत्रित होकर सीधे डिवाइडर से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पुष्कर ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए युवक को जिला अस्पताल पहुँचाया। हालांकि, अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

हिल्ला ▶ राजा जयसिंह की अंग्रेजों पर विजय का प्रतीक, उत्साह से मनी परंपरा

होली पर राघौगढ़ में 211 वर्षों से गूंज रहा है 'हिल्ला'

नवभारत न्यूज

राघौगढ। इतिहास के पन्नों में कुछ तारीखें अमिट हो जाती हैं और राघौगढ़ रियासत के लिए 17 मार्च 1816 का दिन एक ऐसा ही स्वर्णिम अध्याय है। आज से ठीक 211 साल पहले इसी दिन राघौगढ़ की जनता ने वह गौरवशाली गाथा लिखी थी, जब अजेय समझे जाने वाले अंग्रेज सेनापति जॉन बैप्टिस्ट को राजा जयसिंह की कूटनीति और साहस के आगे झुकना पड़ा था। अंग्रेजों की घेराबंदी को विफल कर उन्हें खदेड़ने की इसी खुशी को आज भी 'हिल्ला' उत्सव के रूप में पूरी भव्यता के साथ मनाया जाता है। इस बार भी यह आयोजन पूरे उत्साह और उमंग के साथ किया गया। 18वीं और 19वीं शताब्दी के संधिकाल में, जब अंग्रेज और मराठा सेनाएं रियासतों को अपने अधीन कर रही थीं, तब बजरंगगढ़ और राघौगढ़ के हिंदूपत

राजा जयसिंह ने विदेशी हुकूमत की अधीनता स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया था। विवाद की मुख्य जड़ बजरंगगढ़ रियासत की सीमा से रेल पटरी निकालने के प्रस्ताव को लेकर शुरू हुई थी। जब जॉन बैप्टिस्ट ने विशाल सेना और भारी तोपखाने के साथ राघौगढ़ को घेरा, तो संसाधनों की कमी के बावजूद राजा जयसिंह विचलित नहीं हुए। उन्होंने छापामार युद्ध का सहारा लिया और एक रणनीतिक चाल चलते हुए बैप्टिस्ट के पुत्र को श्योपुर छावनी से बंधक बना लिया। इस कूटनीति के आगे अंग्रेजों को घुटने टेकने पड़े और उन्हें राघौगढ़ का घेरा उठाकर बैरंग वापस लौटना पड़ा। 17 मार्च 1816 को जब फिरंगी सेना के भागने की खबर राघौगढ़ पहुँची, तो उस दिन होली की 'तीज' थी। जीत की खुशी और त्यौहार का उमंग एक साथ मिल गए और रियासत के लोग नाचते-गाते हुए अपने राजा के पास पहुँचे। इसी विजय उल्लास के बीच लोकगीत गूँज उठा— राजा बल के द्वार मची रे होली...। तभी से यह उत्सव 'हिल्ला' के नाम से प्रसिद्ध हो गया, जो राजा और प्रजा के बीच अटूट प्रेम और विदेशी हुकूमत पर जीत का जीवंत प्रतीक बन गया है।

समय बदला लेकिन इस परंपरा का उत्साह आज भी कम नहीं हुआ है। इसी क्रम में 6 मार्च को राघौगढ़ राजघराने के वारिस जयवर्धन सिंह की अगुवाई में 'होली की तीज का हिल्ला' पूरी पारंपरिक भव्यता के साथ मनाया गया। हिल्ला के दौरान निकलने वाले जुलूस और उसमें गूँजते पारंपरिक गीत आज भी नई पीढ़ी को अपने पूर्वजों के बलिदान और अदम्य शौर्य की याद दिलाते हैं।